VIBRANT GANGA

चंबल नदी

वन्यप्राणियों का आश्रय

नमामि गंगे

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

विस्तृत जानकारी

- चंबल, यमुना की सबसे बड़ी सहायक नदी है, जो भारत के तीन सबसे बड़े राज्य मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से होकर बहती है।
- यह मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के पास विध्यांचल पहाड़ियों से 354 मीटर समुद्रतल की ऊंचाई से निकलती है और उत्तर प्रदेश में बरेह के पास यमुना नदी में मिलती है।
- चंबल नदी की लंबाई 960 किलोमीटर है। यह शुरू में मध्य प्रदेश में उत्तर की ओर बहते हुए लगभग 346 किलोमीटर की दूरी तय करती है और बाद में राजस्थान में उत्तर–पूर्व की ओर बहते हुए लगभग 225 किलोमीटर की दूरी तय करती है। फिर यह नदी उत्तर प्रदेश में प्रवेश करती है और 32 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए इटावा जिले में यमुना नदी में मिलती है।
- चंबल नदी 1,43,219 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में बहती है, जिसमें से 76,854 वर्ग किलोमीटर मध्य प्रदेश राज्य में, 65,264 वर्ग किलोमीटर राजस्थान राज्य में और 1,101 वर्ग किलोमीटर उत्तर प्रदेश में स्थित है।
- चंबल नदी की मुख्य सहायक नदियाँ मध्य प्रदेश में सिवाना, रेतम, शिप्रा छोटी कालीसिंध, अंसार, पार्वती और कुनो और राजस्थान में परवन, बनास और गंभीर हैं।

मुख्य विशेषताऐं

- चंबल मालवा समतल भूभाग की सबसे महत्वपूर्ण नदी है। नदी बेसिन में खाई, बाढ़ के मैदान और घाटियाँ हैं।
- बैडलैंड स्थलाकृति चंबल घाटी की एक विशिष्टता है, जबकि कांकड़ बड़े पैमाने पर पुराने जलोढ़ में विकसित हुआ है।
- वनस्पतियों में काँटेदार जंगल शामिल हैं, जो उत्तरी उष्णकटिबंधीय वनों की एक उपश्रेणी है। यह उप–श्रेणी आमतौर पर कम बंजर क्षेत्रों में उगती है जहाँ 600–700 मिलीमीटर वर्षा होती है। इस क्षेत्र में खारा/क्षारीय बबुल सवाना (5ई/8बी) उगते हैं।
- चंबल नदी को प्रदूषण मुक्त माना जाता है, और यह बहुत सारे जलिय जीवों का घर है: संकटग्रस्त गांगेय डॉल्फिन, गंभीर रूप से संकटग्रस्त घड़ियाल और स्मूथ– कोटेड ऑटर कुछ उल्लेखनीय जीव है।

चंबल नदी को तीन क्षेत्रों मे विभाजित किया गया है–

01 ऊपरी क्षेत्र (जानापाव से कोटा बैराज)

02 मध्य क्षेत्र (कोटा बैराज से बसाईदांग)

03 निचला क्षेत्र (बसाईदांग से बरेह के पास संगम)

- नदी घड़ियाल और लाल सिर कछुओं की आबादी के अंतिम और सबसे बड़े गढ़ों में से एक है।
- चंबल नदी मीठे पानी के कछुओं की 9 प्रजातियों और स्थल में रहने वाले कछुओं की 1 प्रजाति का घर है, जो इसे टेस्टयूडाइन विविधता के मामले में सबसे विविध क्षेत्रों में से एक बनाती है।
- 33 फैमिलीज में 148 मछली प्रजाति और 64 फैमिलीज़ में 308 पक्षी प्रजातियाँ शामिल हैं, उनका वितरण चंबल नदी बेसिन में है।
- नदी के एक बड़े हिस्से को राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य के रूप में संरक्षित किया गया है, जो देश का पहला नदी संरक्षित क्षेत्र है जिसे 1975 में घोषित किया गया था।

संकटग्रस्त (EN) प्रजातियाँ

सरीसृप
चित्रा

एविफौना
पनचीरा, ब्लैक–बेलीड टर्न

स्तनधारी (मैमल्स)
गांगेय डॉल्फिन

गंभीर रूप से संकटग्रस्त (CR) प्रजातियाँ

सरीसृप
घड़ियाल
लाल सिर कछुआ

प्रमुख संरक्षित क्षेत्र

- राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण्य
- केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान

रोचक तथ्य

- लोककथाओं के अनुसार कौरवों और पांडवों के बीच पासे का कुख्यात खेल चंबल नदी के तट पर खेला गया था। द्रौपदी को जब यह पता लगा कि उन्हें पासे के खेल में दाव पर लगाया गया है और पांडव उन्हें हार गए हैं तो क्रोध में आकर उन्होंने नदी को उनके अपमान की मूक गवाह होने का श्राप दिया था।
- चंबल नदी का उल्लेख महाभारत में ''चर्मणवती'' के रूप में किया गया है, जो इसके किनारों पर मवेशियों की खाल को सुखाए जाने के संदर्भ में है।
- भारत की तत्कालीन नदियों में से चंबल नदी सबसे स्वच्छ नदी है, जिसका प्रमुख कारण भारतीय पौराणिक कथाओं में उसका ''शापित'' होना और डकैतों का भय है।
- पानी के तेज बहाव से कटाव होने के कारण चंबल के बीहड़ भूलभुलैया की तरह हैं। चंबल के बीहड़ों की गलियाँ उन लोगों के लिए एक स्वाभाविक सहयोगी थी जो उसकी तहों में छिपने या आश्रय लेने की कोशिश करते थे।

नदी-परिदृश्य (रिवरस्केप) को बदलने वाले कारक

- नदी के किनारों पर कृषि और उससे संबंधित गतिविधियाँ घड़ियाल और मगर के आवास को क्षति पहुँचाने का एक मुख्य कारण है।
- अभयारण्य से ग्रामीणों के प्रतिक्षित स्थानांनतरण के परिणामस्वरूप जनसंख्या का भार बढ़ गया है, जिससे संसाधनों की निरंतर निकासी हो रही है।
- चंबल बेसिन में अवैध नदी तल खनन एक और मुद्दा है जो नदी चैनल को बदल देता है या अवरूद्ध कर देता है।
- रेत खनन् घड़ियाल और अन्य प्रजातियों के बास्किंग और घोंसले के स्थलों को नुकसान पहुँचाता है।
- मछली पकड़ने के लिए गिल नेट का उपयोग चंबल नदी के जीवों के लिए एक गंभीर खतरा है।
- तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण पर्यटकों की आमद में वृद्धि हुई है जिसके कारण ठोस और तरल कचरे को नदी और उसकी सहायक नदियों में फेंके जाने की समस्या पैदा हो गई है।
- चंबल नदी के ऊपरी भाग चार बाँधों से प्रभावित हुआ है जो गाँधी सागर, प्रताप सागर, जवाहर सागर और कोटा बैराज है। इन अवरोधों ने चंबल नदी के जलीय आवास को बदल दिया है।

एन एम सी जी
राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन, नदी विकास और
गंगा संरक्षण विभाग,
मेजर ध्यानचंद्र स्टेडियम, नई दिल्ली–110001

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

जी ए सी एम सी
गंगा एक्वालाइफ कनजर्वेशन मॉनिटरिंग सेंटर
भारतीय वन्य जीव संस्थान
पोस्ट बॉक्स न. 18, मोहब्बेवाला, देहरादून–248002, उत्तराखंड
फोन न.- 91-135-260112-115
wii.gov.in/nmcg_phase2_introdution